चेकिंग के लिए गये एईएन और अन्य विद्युत कर्मियों से मारपीट मामले ने तूल पकड़ा

अधिकारियों व कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की

- ग्राम ललाना में बिजली चोरी पाई गई थी, जिस पर कार्यवाही करने पर वहां मौजूद कुछ लोगों ने विद्युत विभाग के एईएन और अन्य विद्युत कर्मचारियों से मारपीट की थी

पावटा, (निसं)। पावटा प्रागपुरा नगरपालिका क्षेत्र के ग्राम ललाना में रविवार को विजिलेंस चेकिंग के लिए गए विद्युत विभाग के एईएन और अन्य विद्युत कर्मचारी के साथ हुई मारपीट को लेकर विद्युत विभाग कार्यालय पावटा एईएन संजीव जाखड़ ने प्रागपुरा थाने में मामला दर्ज करवाया है। एईएन ने बताया कि रविवार को पावटा प्रागपुरा नगरपालिका क्षेत्र के ग्राम ललाना में ठेकेदार की ढाणी में विद्युत कर्मचारी उमेश फोगाट, राजेंद्र तोदवाल, संजय यादव, जाऊदीन कुरैशी व एफआरटी टीम के साथ पहुंचे, जहां जांच के दौरान कैलाश पुत्र रीछपाल स्वामी, मुकेश कुमार पुत्र अर्जुन दास स्वामी के परिसर में बिजली चोरी पाई गई, जिस पर कार्यवाही करने पर वहां मौजूद सतवीर उर्फ सत्तू पुत्र रीछपाल स्वामी, कैलाश स्वामी द्वारा मेरे व मेरे कर्मचारियों के साथ मारपीट की गई व गाड़ी छीन ली गई। सतवीर उर्फ सत्तू ने मुझे गाड़ी से खींच लिया व मारपीट करते हुए मोबाइल छीनने की कोशिश की। वहां पर मौजूद महिला-पुरुषों की भीड़ ने मारपीट करते हुए गाड़ी को जाने नहीं दिया। किसी तरह से वहां से जान बचाकर प्रागपुरा थाने पहुंचे। जहां उन लोगों के खिलाफ मारपीट व राजकार्य में बाधा का मामला दर्ज करवा कार्यवाही की मांग की। वहीं सोमवार को विद्युत विभाग एईएन व कर्मचारियों के साथ मारपीट के मामले ने तूल पकड़ लिया है। सोमवार को विद्युत विभाग कार्यालय पावटा पर विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों ने इस घटना पर आक्रोश जताते हुए धरना प्रदर्शन कर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। कर्मचारियों ने धरना प्रदर्शन करते हुए कहा कि यह घटना ने केवल एक सरकारी कर्मचारी पर हमला है, बल्कि शासन की गरिमा व प्रशासनिक व्यवस्था पर भी सीधा प्रहार है। इस तरह की घटनाओं पर समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो शासकीय कार्यों में निरंतर बाधा उत्पन्न होती रहेगी और कर्मचारियों में असुरक्षा की भावना गहराती रहेगी। वहीं अपराधियों के हौसले बुलंद होते रहेंगे। वारदात के बाद भी आरोपी अभी पुलिस की गिरफ्त से दूर हैं, अगर जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जायेगा व कार्य बहिष्कार किया जाएगा। वहीं विद्युत विभाग कार्यालय पावटा से सभी विभागीय अधिकारी व कर्मचारी एकजुट होकर पैदल मार्च करते हुए उपखंड कार्यालय पावटा पहुंचे, जहां संयुक्त अधिकारी कर्मचारी एकता मंच द्वारा उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंप अपराधियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी की मांग की, जिस पर उपखंड अधिकारी साधना शर्मा ने शीघ्र ही कार्यवाही का आश्वासन दिया।

इस दौरान पावटा सब डिवीजन से एईएन संजीव जाखड़, जेईएन वीरेंद्र यादव, सोहनलाल स्वामी, आफताब आलम, कर्मचारी टोडाराम, गोविंद शर्मा कोटपूतली डिवीजन सर्किल से विजय यादव, योगेंद्र सिंह, महेश यादव, राधेश्याम, रामसिंह व कोटपूतली सब डिवीजन से जेईएन अमर सिंह, कृष्ण सैनी, रामलखन गुर्जर, एचटीएम एईएन धनपाल सिंह, प्रदीप कुमार जांगिड़, अनिल सैनी , बुधराम गुर्जर, रूप सिंह, सवाई सिंह, नारेहड़ा सब डिवीजन से एईएन बी डी शुक्ला, जेईएन राकेश जाजड़ा, कर्मचारी बुधराम, एआरओ सुनील, सुरेंद्र फौजी, विराटनगर सब डिवीजन से जेईएन अजय बाज्या, अजय गिठाला, कर्मचारी धर्मेंद्र, तेजपाल, श्याम सुंदर, किशनगढ़बास एईएन परमजीत यादव सहित बड़ी संख्या में विभागीय अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

शहरी सेवा शिविर में महापौर और यूआईटी पटवारी के बीच विवाद हुआ

- यूआईटी ओएसडी और तहसीलदार ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया

भीलवाड़ा, (निसं)। नगर निगम परिसर में संचालित हो रहे शहरी सेवा शिविर में सोमवार को जबरदस्त माहौल बन गया। इसका कारण था महापौर राकेश पाठक और यूआईटी पटवारी मानवेंद्र सिंह के बीच विवाद इतना बढ़ा कि यूआईटी ओएसडी चिमनलाल और तहसीलदार नीरज रावत को बीच-बचाव के लिए आना पड़ा, तब जाकर मामला शांत हुआ।

जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह शिविर में यूआईटी पटवारी मानवेंद्र सिंह काम कर रहे थे। एक व्यक्ति आए जिन्होंने उन्होंने किसी रिकॉर्ड को लेकर तकाजा किया तो पटवारी ने कहा कि तहसील कार्यालय से रिकॉर्ड आप लेकर आओ। महापौर पाठक भी उस दौरान शिविर में मौजूद थे। वह व्यक्ति महापौर पाठक के पास चला गया। उन्हें अपनी कहानी सुना दी। महापौर पाठक ने पटवारी के पास जाकर कहा कि जब यूआईटी के नाम हो चुकी है तो उसका रिकॉर्ड आप उपलब्ध कराओ। लेकिन पटवारी नहीं माना। पटवारी ने कहा कि आप चाहे महापौर हो तो भी रिकॉर्ड आपको लानी पड़ेगी। इस बात को सुनकर पाठक भड़क गए। हाल ये हो गया कि दोनों के बीच कहासुनी की आवाज शिविर से बाहर तक चली गई। देखते ही देखते लोगों की संख्या इकट्ठी हो गई। इधर से मेयर पाठक ने बोलना जारी रखा तो उधर से पटवारी सिंह अपनी सफाई पेश करता रहा। आखिरकार ओएसडी चिमनलाल और तहसीलदार नीरज रावत को आना पड़ा। वे महापौर को दूसरी ओर लेकर चले गए।

इधर पटवारी ने भी अपनी गलती मानते हुए रिकॉर्ड मंगाने के लिए हामी भर दी। इस मामले को लेकर पटवारी मानवेंद्र सिंह ने कुछ बोलने से इनकार कर दिया तो वहीं ओएसडी चिमनलाल ने कहा कि किसी चीज को लेकर गतिरोध था वह दूर हो चुका है। महापौर पाठक ने कहा कि सरकार ने शिविर इसलिए लगाए ताकि आवेदक को इधर-उधर धक्के न खाने पड़े, लेकिन पटवारी मानवेंद्र सिंह खुद रिपोर्ट देने की बजाय आवेदकों से मंगाकर नाजायज परेशान कर रहा है।

चार प्रतिष्ठानों पर पेनल्टी लगाई

पाली, (निसं)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग जयपुर के निर्देशानुसार दीपावली के त्योहार पर मिठाई, सूखे मेवे, बेकरी उत्पाद इत्यादि के साथ डिब्बा तौलने, कम माप तौल एवं पैकेजिंग नियमों में तय मापदंडों के अनुसार बिक्री न करने इत्यादी की रोकथाम के लिए विभाग द्वारा 13 से 19 अक्टूबर तक एक विशेष अभियान प्रारंभ किया गया है। रसद अधिकारी मंजीत सिंह ने बताया कि अभियान के तहत गठित संयुक्त जांच दल प्रवर्तन अधिकारी कमल कुमार पंवार, जितेन्द्रसिंह एवं विधिक माप विज्ञान अधिकारी विष्णुदत जोशी द्वारा जिले में सोमवार को पाली शहर स्थित चार प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया, जिसमें अनियमितताएं पाये जाने के कारण सात हजार पांच सौ रूपये की पेनल्टी लगायी गयी।

सौर ऊर्जा परियोजना के नाम पर 80 लाख रुपए की धोखाधड़ी

जयपुर निवासी परिवादी ने जोधपुर, गाजियाबाद और कोलकाता के पांच आरोपियों के खिलाफ सेरूणा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है

- परिवादी का आरोप है कि इन लोगों ने उसकी कंपनी एग्रोसन एनर्जी लैंड डेवलपर्स के माध्यम से सौर ऊर्जा प्लांट स्थापित करने के नाम पर लाखों रुपये की धोखाधड़ी की है
- आरोपियों ने पूनरासर और राजपुरा के बीच 125 बीघा भूमि को सौर ऊर्जा परियोजना के लिए तैयार बताकर 35 मेगावॉट क्षमता के प्लांट का कार्य दिखाया

बीकानेर, (निसं)। सौर ऊर्जा परियोजना के नाम पर सूडसर इलाके में लाखों की ठगी का मामला सामने आया है। जयपुर निवासी अंशुल पुत्र राधेराम गोदारा ने जोधपुर, गाजियाबाद और कोलकाता के पांच आरोपियों के खिलाफ सेरूणा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। परिवादी का आरोप है कि इन लोगों ने उसकी कंपनी एग्रोसन एनर्जी लैंड डेवलपर्स के माध्यम से सौर ऊर्जा प्लांट स्थापित करने के नाम पर लाखों रुपये की धोखाधड़ी की है।

अंशुल के अनुसार, आरोपियों ने पूनरासर और राजपुरा के बीच 125 बीघा भूमि को सौर ऊर्जा परियोजना के लिए तैयार बताकर 35 मेगावॉट क्षमता के प्लांट का कार्य दिखाया। उन्होंने दावा किया कि यह प्रोजेक्ट निर्माणाधीन है और इसके आधार पर पब्लिक इश्यू लाने की संभावना जताई, जिससे कंपनी को निवेश और बड़ा लाभ मिलेगा। इसी झांसे में आकर परिवादी ने आर्थिक लेन-देन किया। शिकायत के मुताबिक आरोपियों ने लीजशुदा भूमि के 29 वर्ष का किराया (करीब 7 से 9 करोड़ रुपये) चुकाने की जिम्मेदारी और अग्रिम भुगतान के चेक परिवादी से ले लिए। इसके साथ ही, ग्रिड सब स्टेशन से 35 मेगावॉट विद्युत कनेक्टिविटी अपने नाम पर रिजर्व करवाई, जिससे संभावित निवेशकों और अन्य उत्पादकों को नुकसान हुआ। इससे न केवल परिवादी को आर्थिक हानि हुई, बल्कि राष्ट्रीय संपत्ति को नुकसान होने की आशंका है। परिवादी ने आरोप लगाया कि इस धोखाधड़ी से उसकी कंपनी का समय, पूंजी, प्रतिष्ठा और सामाजिक छवि बुरी तरह प्रभावित हुई। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने 80 लाख रुपये उधार लेकर अमानत में खयानत की और झूठे दस्तावेजों के आधार पर रुपये हड़प लिए।

ठगी मामले में चार गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में राजेश विद्यार्थी वृत्ताधिकारी टोंक एवं मेहन्दवास थानाधिकारी के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा मेहन्दवास क्षैत्र में स्थित बैंकों से प्राप्त संदिग्ध बैंक खातों के रिकॉर्ड व संदिग्ध बैंक खातों के विरूध्द समन्वय पोर्टल पर प्राप्त शिकायत व राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड पोर्टल की शिकायतों का विवरण प्राप्त कर तकनीकी संसाधनों से गहनता से विश्लेषण कर आरोपी मनीष मीणा पुत्र रमेशचन्द मीणा, नरेन्द्र मीणा पुत्र रामकुंवार मीणा, जितेश मीणा पुत्र पप्पुलाल मीणा व दिलखुश पुत्र मनफूल मीणा को आईटी एक्ट में प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। इस दौरान आरोपियों के कब्जे से एक वाईट स्कॉर्पियो व फ्रॉड राशि 81 हजार 499 रूपये जब्त की। मेहन्दवास थानाधिकारी ने बताया कि आरोपी बैंक खाताधारक द्वारा मोबाईल कॉल, इंस्टाग्राम, फेसबुक पर चेटिंग कर अन्य एप डाउनलोड करवाकर व लिंक भेजकर तथा राशि दोगुनी करने व फेंसी ड्रेस खरीदने का प्रलोभन देकर पीड़ितों से अपने खाते में राशि डलवा लेते थे।

'न्यूनतम समर्थन मूल्य पर दलहन उपजों की खरीद की गारंटी की घोषणा थोथी'

जयपुर। किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट ने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह ने राजस्थान के किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर दलहन उपजों की शत-प्रतिशत खरीद की गारंटी की घोषणा की है। इसमें चतुर्तापूर्ण भाषा शैली का उपयोग किया गया है। जो भी इसे सुनेगा, सामान्य रूप से प्रफुल्लित हो जाएगा, विशेष कर दलहन उत्पादक किसानों के चेहरे पर चमक आ जाएगी। किंतु वास्तविकता की जानकारी होने पर पर किसान अपने आप को ठगा सा महसूस करेगा, क्योंकि मूंग एवं चना को इस घोषणा में सम्मिलित नहीं करना "कटे घाव पर नमक छिड़कने" के समान है।

रामपाल जाट ने कहा कि देशभर में अरहर में कर्नाटक, महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, ओड़ीसा के अतिरिक्त संपूर्ण देश के उत्पादन में पांच प्रतिशत उत्पादन के साथ राजस्थान अंतिम छोर पर है। मसूर और अरहर तो राजस्थान में नाममात्र की पैदा होती है। उड़द उत्पादन में मध्यप्रदेश, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, उत्तरप्रदेश, तमिलनाडु, महाराष्ट्र के बाद राजस्थान का सातवां स्थान है।

जाट ने कहा कि मूंग के उत्पादन में राजस्थान का देश में प्रथम स्थान है, जो देश के सकल उत्पादन का 49 प्रतिशत तक है। चना उत्पादन में मध्य प्रदेश का प्रथम स्थान है, दूसरे स्थान पर महाराष्ट्र आता है। मसूर उत्पादन में मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश ,पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड के बाद राजस्थान का छठा स्थान है। जिन उपजों का न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित किया जाता है, उनमें से दलहन एवं तिलहन की कुल उत्पादन में से 25 प्रतिशत से अधिक खरीद नहीं करने की रोक लगाई गई थी। यह भेदभाव की श्रेणी में आता है। 31 अगस्त 2022 को अरहर, उड़द एवं मसूर पर 25 प्रतिशत के स्थान पर 40 प्रतिशत तक छूट दी गई थी। उसके बाद इन तीन दलहनों की शत-प्रतिशत अर्थात दाने-दाने की खरीद करने की अप्रैल 2023 से घोषणा कर दी गई। इन दलहनों में मूंग एवं चना पर 25 प्रतिशत से अधिक नहीं खरीदने का अवरोध यथावत है। यह भेदभाव में भी भेदभाव है। राजस्थान के दलहन उत्पादक किसान 6 वर्ष से इस प्रकार के भेदभाव को समाप्त करने के लिए आंदोलनरत हैं। इसके संबंध में राज्य सरकार के अतिरिक्त भारत सरकार के कृषि मंत्रियों में नरेंद्र तोमर एवं शिवराज सिंह चौहान से अनेक बार वार्ता हो चुकी है, किंतु परिणाम "ढाक के तीन पात" जैसा ही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भी दलहनों में आत्मनिर्भरता की घोषणा मूंग एवं चना उत्पादक किसानों के लिए अर्थहीन रही है।

अप्रैल 2023 की उस घोषणा को ही देश के गृहमंत्री ने नई घोषणा के रूप में दोहराया है। मूंग एवं चना को इस घोषणा में सम्मिलित नहीं करने पर भी राजस्थान के जन प्रतिनिधियों ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, जबकि मुख्यमंत्री सहित अनेक जनप्रतिनिधि तो उसे घोषणा के समय उपस्थित थे। दलहन में देश को आत्मनिर्भर बनाने के संबंध में गृहमंत्री के वक्तव्य पर किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट ने यह प्रतिक्रिया दी है।

अग्निवीर भीम सिंह का शव आज प्रागपुरा पहुंचेगा

पावटा, (निसं)। उपखंड पावटा के ग्राम भौनावास के रहने वाले इंडियन आर्मी के जवान का शव 70 दिन बाद बरामद हुआ है। अग्निवीर भीम सिंह उत्तराखंड के हर्षिल में आर्मी कैंट के पास बादल फटने के बाद से लापता हो गए था। हादसे में भीम सिंह के साथ सेना के करीब नौ जवान लापता हो गए थे। सेना को हाल ही में एक जवान का शव मिला था, जिसकी डीएनए टेस्ट से पहचान भीम सिंह पुत्र महेश सिंह निवासी भौनावास के रूप में हुई। भीम सिंह आठ महीने पहले ही सेना में भर्ती हुए थे। ये उनकी पहली पोस्टिंग थी। मंगलवार सुबह अग्निवीर का पार्थिक देह प्रागपुरा पुलिस थाने में पहुंचेगी जहां से तिरंगा यात्रा द्वारा सबको पैतृक गांव भौनावास ले जाया जाएगा, जहां उनका सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। अग्निवीर के शव मिलने की सूचना से क्षेत्र में शोक का माहौल है।

अग्निवीर भीम सिंह।

कार से पौने चार लाख की शराब बरामद

तीन तस्कर गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई की है। धम्बोला थाना पुलिस ने संघन कार्रवाई के तहत एक क्रेटा कार से करीब 3 लाख 80 हजार रुपए की महंगी शराब जब्त की है। इस मामले में सीकर निवासी तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया है।

धम्बोला थानाधिकारी ने बताया कि पुलिस ऑपरेशन स्वच्छता अभियान चला रही है। इसी अभियान के तहत मुखबिर से अवैध शराब तस्करी की सूचना मिली थी। इसके बाद धम्बोला थाना क्षेत्र के सरथुना बॉर्डर पर नाकेबंदी की गई। नाकेबंदी के दौरान एक क्रेटा कार को रोका गया और उसकी तलाशी ली गई। कार के विभिन्न हिस्सों में अवैध शराब छिपाकर रखी गई थी।

पुलिस ने आबकारी अधिनियम के तहत कार को जब्त कर लिया। पुलिस ने सीकर निवासी श्रवण गुर्जर, रतनलाल गुर्जर और राजेश गुर्जर को गिरफ्तार किया है। कार से महंगी शराब के नौ कार्टन बरामद किए गए हैं, जिनकी कीमत लगभग 3 लाख 80 हजार रुपए बताई जा रही है। थानाधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से गहन पूछताछ की जा रही है ताकि इस अवैध तस्करी गिरोह के अन्य सदस्यों का पता लगाया जा सके।

बीकानेर मंडी में करीब 15 हजार बोरी मूंगफली की रोजाना आवक शुरू

क्षेत्र में इस साल करीब तीन लाख बोरी मूंगफली का उत्पादन रहने का अनुमान सामने आया

बीकानेर, (निसं)। गरीब का मेवा यानि मूंगफली की बम्पर फसल खेत से अनाज मंडी में आने को तैयार खड़ी है। प्रदेश की सबसे बड़ी मूंगफली मंडी बीकानेर में करीब 15 हजार बोरी मूंगफली की रोजाना आवक शुरू हो गई है। क्षेत्र में इस साल करीब तीन लाख बोरी मूंगफली का उत्पादन रहने का अनुमान सामने आया है। प्रति बीघा उत्पादन भी 7 से 9 क्विंटल के बीच रह रहा है। परन्तु सरकारी समर्थन मूल्य (एमएसपी) 7263 रुपए प्रति क्विंटल और मंडी भाव में करीब दो हजार रुपए प्रति क्विंटल का अंतर है। सरकारी खरीद अभी शुरू नहीं हुई है। इसका सीधा नुकसान किसानों को हो रहा है।

दीपावली पर मंडियों में मूंगफली की आवक जोर पकड़ जाएगी। बीकानेर में पैदा मूंगफली प्रदेशभर में काम आती है। पड़ोसी राज्य पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, बिहार और उत्तरप्रदेश के व्यापारी भी खरीद कर ले जाते हैं। देश में गुजरात के बाद राजस्थान मूंगफली दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। बीकानेर प्रदेश की सबसे बड़ी मंडी है। यहां से पड़ोसी देशों को मूंगफली निर्यात भी होती है। अभी पाकिस्तान से व्यापार बंद होने, बांग्लादेश, श्रीलंका और नेपालके आर्थिक हालात ठीक नहीं होने का असर निर्यात पर पड़ रहा है। इस बार कनाडा, मलेशिया, इंडोनेशिया सहित कई देशों में मूंगफली निर्यात के अनुबंध व्यापारी कर रहे हैं। सरकारी खरीद कर मूंगफली को गोदामों में रखते हैं। बाद में बाजार महंगाई नियंत्रण के हिसाब से सरकार कम रेट पर वापस बेचती है। अब मूंगफली सीजन शुरू हो रहा है। दूसरी तरफ सरकार जमा पड़ी मूंगफली को बेच रही है। अभी पिछले साल की करीब 20 लाख बोरी अभी सरकार के पास है। इसे 5500 से 5900 रुपए के भाव पर बेचा जा रहा है। ऐसे में नई मूंगफली भी खुली बोली पर इस भाव से ऊपर नहीं जा रही। इसका खामियाजा भी किसान भुगत रहे हैं।

बीकानेर अनाज मंडी में इस सालसवा करोड़ बोरी मूंगफली की आवक रहने का अनुमान है। जिले की अन्य मंडियां ऊन मंडी, श्रीडूंगरगढ़, लूणकरनसर, नोखा, छतरगढ़, खाजूवाला, बज्जू, नापासर में भी 50 लाख बोरी से ज्यादा माल आएगा। आस-पास सरदारशहर, श्रीबिजयनगर, नागौर आदि में भी मूंगफली की आती है। गोटा-तेलमील वाले भी किसान से सीधी खरीद कर लेते हैं। स्थानीय खपत, सिकाई, बीज और किसान के स्टॉक को जोड़ने पर कुल आंकड़ा तीन करोड़ बोरी के आस-पास बैठता हैं। मूंगफली सीजन दीपावली के बाद जोर पकड़ेगा। किसानों के लिए मूलभूत सुविधाएं भी मंडी में रहेगी। मूंगफली से मंडी और सरकार को बड़ा राजस्व मिलता है। ऐसे में किसानों को अधिकतम भाव और सरकारी खरीद में पारदर्शिता का पूरा प्रयास करेंगे।

नवोदय विद्यालय की इंचार्ज प्रिंसिपल समेत तीन पर मामला दर्ज

हत्या के प्रयास और सबूत मिटाने सहित दलित उत्पीड़न का मामला थाने में दर्ज हुआ

- परिवादी ने रिपोर्ट में आरोप लगाया है कि उसके पोते के दोनों हाथों पर चोट के निशान हैं
- नवोदय विद्यालय में दसवीं कक्षा के छात्र का आत्महत्या के प्रयास का मामला, छात्र जयपुर अस्पताल में भर्ती, उपचार जारी

पाटन, (निसं)। कस्बे के जवाहर नवोदय विद्यालय की इंचार्ज प्रिंसिपल समेत तीन जनों पर हत्या के प्रयास और सबूत मिटाने सहित दलित उत्पीड़न का मामला पाटन थाने में दर्ज हुआ है।

थानाधिकारी विद्याधर शर्मा ने बताया कि नीमकाथाना के राव जी का मोहल्ला निवासी मोतीलाल ने रिपोर्ट दी कि उसका पोता धीरज कुमार नवोदय विद्यालय में दसवीं का छात्र था। गत नौ अक्टूबर को उन्हें इंचार्ज प्रिंसिपल पूनम खेदड़, महिपाल सिंह और सुमन यादव ने फ़ोन करके नीमकाथाना अस्पताल में आने के लिए कहा।

इस पर वह अस्पताल पहुंचे तो स्कूल वालों ने बताया कि धीरज ने आत्महत्या का प्रयास किया है और उसकी हालत गंभीर है। इस पर स्कूल स्टाफ़ के साथ परिजन छात्र को जयपुर जेके लॉन हॉस्पिटल लेकर गये, जहां छात्र की हालत गंभीर बनी हुई है। परिवादी ने रिपोर्ट में आरोप लगाया है कि उसके पोते के दोनों हाथों पर खून आलूदा चोट के निशान हैं जबकि स्कूल स्टॉफ ने बताया है कि फंदे पर लटक कर आत्महत्या करने का प्रयास किया है। परिजनों को शक है कि छात्र को मारपीट करने के बाद फंदे पर लटकाया गया था, बाद में सबूत मिटाने के लिये स्कूल स्टाफ़ और कुछ अन्य छात्रों द्वारा खून को धोकर साफ किया जाकर सबूत मिटाने का प्रयास किया गया है। रिपोर्ट पर पुलिस ने हत्या का प्रयास और सबूत मिटाने तथा दलित उत्पीड़न का मामला दर्ज कर जाँच नीमकाथाना डिप्टी एस पी अनुज डल को सौंपी है।

सुरेन्द्र सैनी जिला अध्यक्ष बहुजन समाज पार्टी का कहना है कि नीमकाथाना जिला हटाने के बाद से आये दिन अपराध की घटना बढ़ती जा रही है। अजय कुमार बलाई हत्यकांड में परिजन पिछले 55 दिन से धरने पर बैठे हैं लेकिन पुलिस प्रशासन द्वारा गिरफ्तारी न करना, लगता है नीमकाथाना में जंगल राज चल रहा है। जवाहर नवोदय विद्यालय जैसे शिक्षा के मंदिर में जहाँ बच्चों को शिक्षा मिलनी चाहिए वहां शिक्षक पढ़ाने की जगह बच्चों के साथ मारपीट कर रहे हैं। पीड़ित धीरज कुमार के परिवार के लोगों ने बताया तीन दिन तक बच्चे को अध्यापकों ने बेरहमी से पीटा बाद में जब धीरज कुमार बेहोश होने लगा, तब जाकर फांसी पर लटकाकर मारने की कोशिश की।

धीरज के हाथों में चोट के निशान।

सेना की जिप्सी पलटी, मेजर की मौत, महिला अधिकारी समेत चार घायल

- सड़क पर मोड़ था, लेकिन जिप्सी मुड़ नहीं पाई और पलट गई
- सेना के चार अधिकारी जिप्सी में सवार होकर लोंगेवाला की ओर जा रहे थे

जैसलमेर, (निसं)। सरहद के गमनेवाला के पास आर्मी की जिप्सी पलट जाने से मेजर की मौत हो गई। वहीं, एक लेफ्टिनेंट कर्नल और दो मेजर समेत चार लोग घायल हो गए। हादसा तनोट थाना इलाके में रामगढ़ से लोंगेवाला के बीच गमनेवाला गांव के पास रविवार शाम पांच बजे हुआ। घायलों का सेना के हॉस्पिटल में इलाज चल रहा हैं।

तनोट थाना के अचलराम ने बताया कि हादसे की जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, सड़क पर मोड़ था, लेकिन जिप्सी मुड़ नहीं पाई और पलट गई। सेना के चार अधिकारी जिप्सी में सवार होकर रविवार शाम को लोंगेवाला की ओर जा रहे थे। गमनेवाला गांव के पास जिप्सी बेकाबू होकर पलट गई। हादसे में लेफ्टिनेंट कर्नल प्रशांत राय (32), मेजर टीसी भारद्वाज (33), मेजर अमित (30), मेजर प्राची शुक्ला और ड्राइवर नसीरुद्दीन घायल हो गए। घायलों को सेना की गाड़ी में रामगढ़ हॉस्पिटल लेकर गए, जहां इलाज के दौरान मेजर टीसी भारद्वाज की मौत हो गई। वहीं अन्य घायलों का प्राथमिक इलाज कर सेना के हॉस्पिटल रेफर कर दिया। मेजर अमित के आंख के पास चोट आई हैं। मेजर प्राची शुक्ला के सिर में गंभीर चोट है, जबकि ड्राइवर नसीरुद्दीन का बायां कान कट गया। सभी का इलाज सेना के हॉस्पिटल में जारी है, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। हादसे की जानकारी मिलते ही तनोट थाना और रामगढ़ थाना पुलिस हॉस्पिटल पहुंची। मेजर टीसी भारद्वाज का शव पोस्टमॉर्टम के बाद सेना को सौंप दिया।

शमशान भूमि के रास्ते को लेकर विवाद हुआ

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के आसींद क्षेत्र की दौलतगढ़ चौकी के अंतर्गत तिलौली पंचायत के देवनगर गांव में एक बार फिर शमशान भूमि के रास्ते को लेकर विवाद खड़ा हो गया। गांव के ही कुछ लोगों ने अंतिम संस्कार के लिए ले जाए जा रहे एक वृद्ध महिला के शव को बीच रास्ते में रोक दिया।

जानकारी के अनुसार, देवनगर निवासी 80 वर्षीय जम्मी देवी मेघवंशी का सोमवार को निधन हो गया था। जब परिजन और ग्रामीण शव को शमशान भूमि की ओर ले जा रहे थे, तभी गांव के ही कुछ लोगों ने कथित तौर पर उस रास्ते पर शव को रोक दिया, जो उनकी खातेदारी भूमि से होकर निकलता है।

ग्रामीणों का कहना है कि यह रास्ता सार्वजनिक है, जबकि दूसरे पक्ष का दावा है कि यह उनकी निजी जमीन है। यह विवाद नया नहीं है, कुछ दिन पूर्व भी रास्तों को लेकर इसी तरह का मामला सामने आया था। शव रोके जाने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, इसके साथ ही आसींद तहसील दार जयसिंह भी मौके पर पहुंचे। देर शाम तक समझाइश का प्रयास किया जा रहा था।